मंत्री मोबाइल बुकिंग क्लर्कों की सेवाएं नियमित करने के बारे में 25 अगस्त, 1983 के अतारांकित प्रश्न संख्या 5011 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वोत्तर रेलवे के 'मोबाइल' बुकिंग क्लर्कों के बारे में सूचना एकत्र कर ली गई है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार का विचार अन्य रेलवे की तरह पूर्वोत्तर रेलवे में 5-6 वर्ष से कार्यरत 'मोबाइल' बुकिंग क्लर्कों को बहाल करने और उनकी सेवाएं नियमित करने का है ; और

(घ) यदि हां, तो कब से और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ) रेल मंत्रालय द्वारा अप्रैल, 1982 में जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा कुछ शर्तों के अधीन स्वयंसेवी/चल बुकिंग लिपिकों को नियमित सेवा में समाहित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है। तदनुसार, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा सेवारत स्वयंसेवी/चल बुकिंग लिपिकों की स्क्रीनिंग तथा पैनल बनाने के लिए एक समिति नामित की गई है। यह कार्य दिसंबर, 1983 से पूर्व पूरा कर लिये जाने की संभावना है। फिर भी, पैनल पर रखे गए कर्मचारियों को समाहित करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित करना संभव नहीं है क्योंकि इसे रिक्तियों की उपलब्धता के अनुसार उत्तरोत्तर किया जायेगा।

Offensive Article in the Chinese Journal

1595. SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item appearing in Indian Express dated 28 August, 1983 regarding publication of a highly offensive article in the Chinese journal 'World Knowledge' which decried the policies of the former Prime Minister Pandit Jawaharlal Nehru and the present Prime Minister ; and

(b) if so, the Government's reaction thereto ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI A.A. RAHIM) : (a) Yes, Sir.

(b) The Government has conveyed its objections to the Chinese authorities at the publication of the first part of the article. The second part of the article was not published.

बिहार में राष्ट्रीय राज मार्ग संख्या 2 पर निर्माण कार्य

1596. **श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा** : क्या **नौवहन और परिवहन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार में ठेकेदारों को उनकी देय राशियों की विगत एक वर्ष से अदायगी न किए जाने के कारण उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग सं०-2 (हजारीबाग-धनबाद संभाग) पर बाढ़ के कारण हुई भारी टूट-फूट की मरम्मत तथा सड़क समतल करने संबंधी 200 नये कार्यों को करना बन्द कर दिया है और जिसके परिणामस्वरूप प्रतिदिन हजारों दुर्घटनाएं हो रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो विभाग द्वारा 1980 के दौरान इस संभाग पर किए गए निर्माण कार्यों का ब्यौरा क्या है उन पर अनुमानतः कितनी लागत आई तथा यह कार्य कितने समय में पूरा किया जाना था ;

(ग) क्या सभी कार्य समयानुसार पूरे हो गए ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) क्या सरकार का विचार इस राष्ट्रीय राजमार्ग के समुचित रख-रखाव के लिए कुछ प्रभावकारी कदम उठाने का है ?